प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **विजय**, शोध–छात्र, समाजशास्त्र विभाग, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर (सम्बद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर) ने **पी–एच.डी. उपाधि** हेतु **"असंगठित क्षेत्र के बाल श्रमिकों का समाजशास्त्रीय अध्ययन (वाराणसी नगर क्षेत्र पर आधारित)"** शीर्षक शोध–प्रबन्ध मेरे निर्देशन में विश्वविद्यालय के नियमानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत पूर्ण किया है। प्रस्तुत अनुसंधानकार्य इनके व्यक्तिगत अनुशीलन व परिश्रम पर आधारित है तथा पूर्णतया मौलिक है।

निर्देशक

22.XII.06

डॉ. सी.पी. दीक्षित

रीडर, समाजशास्त्र विभाग,

स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

गाजीपुर।

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **विजय**, शोध छात्र, समाजशास्त्र विभाग ने पी–एच.डी. आर्डिनेंस की धारा 5.2 (7) के अनुसार पूर्ण समय तक कार्य करते हुए **"असंगठित क्षेत्र के बाल श्रमिकों का समाजशास्त्रीय अध्ययन (वाराणसी नगर क्षेत्र पर आधारित)"** शीर्षक शोध–प्रबन्ध पूर्ण किया है। शोध छात्र के रूप में की गयी खोज के निष्कर्ष उनके व्यक्तिगत श्रम और अनुशीलन (खोज) पर आधृत हैं।

23/12/06

विभागाध्यक्ष

अध्यक्ष
समाज शास्त्र विभाग
पोस्ट ग्रेजुएट कालेज
गाजीपुर

प्राचार्य

Principal
Post Graduate College
Ghazipur (U.P.)

प्राक्कथन

वर्तमान अध्ययन पूर्वांचल विश्वविद्यालय की पी–एच.डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत है। अध्ययन सौविध्य की दृष्टि से वर्तमान अध्ययन को तीन खण्डों के अन्तर्गत दस अध्यायों में विभाजित कर पूर्ण किया गया है। यथा – **प्रथम खण्ड : सैद्धान्तिक एवं अवधारणात्मक परिवेश** के अन्तर्गत **प्रथम अध्याय** परिचय में अध्ययन की समस्या, प्रमुख अवधारणाओं की व्याख्या, अध्ययन के मुख्य उपागम, साहित्य का सर्वेक्षण, शोध के मुख्य प्रश्न, अध्ययन का महत्त्व, भारत में बाल श्रम की समस्या, बाल श्रम सम्बन्धित आयोग, बाल श्रम और राजकीय प्रयत्न प्रस्तुत किया गया है। **द्वितीय अध्याय** शोध का प्रारूप के अन्तर्गत , अध्ययन के उद्देश्य, उपकल्पनात्मक कथन, समग्र एवं निदर्श का स्वरूप, तथ्यों के एकीकरण की प्रविधियाँ, तथ्यों का प्रस्तुतीकरण एवं अध्ययन की सीमाओं को प्रस्तुत किया गया है। **तृतीय अध्याय** में अध्ययन का परिवेश प्रस्तुत किया गया है। **द्वितीय खण्ड : अनुभवात्मक परिवेश** है। इसके अन्तर्गत **चतुर्थ अध्याय** में बाल–श्रमिकों की वैयक्तिक पृष्ठभूमि शैली, **पंचम अध्याय** में परिवार की प्रकृति एवं सम्बन्धों के प्रतिमान, **षष्ठ अध्याय** में रोजगार की प्रकृति और कार्य का स्वरूप, **सप्तम अध्याय** में कार्य की दशायें और सन्तुष्टि **अष्टम**

अध्याय में राजकीय प्रयत्न और सुविधाओं की प्राप्ति, **नवम् अध्याय** में अधिनियमों एवं राजकीय प्रयत्नों के प्रति चेतना प्रस्तुत किया गया है। **तृतीय खण्ड निष्कर्ष एवं सामान्यीकरण** है इसके अन्तर्गत **दशम अध्याय** में शोध की उपलब्धियाँ प्रस्तुत की गयी हैं। अन्त में **परिशिष्ट** के अन्तर्गत **साक्षात्कार अनुसूची** एवं **सन्दर्भ ग्रन्थ सूची** प्रस्तुत की गयी है।

विजय

विजय

आभार

बाबा विश्वनाथ की असीम अनुकम्पा, गुरुजनों के विद्वत्तापूर्ण निर्देशन, माता–पिता एवं सुहृदजनों के आशीर्वाद एवं सहयोगियों के सहयोग से वर्तमान शोध–प्रबन्ध अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सका है। इस पुनीत अवसर पर मैं आप सबके प्रति आभार ज्ञापित करना अपना कर्तव्य समझता हूँ।

सर्वप्रथम मैं प्रस्तुत शोध–विषय पर कार्य करने के लिए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की शोध उपाधि समिति के सम्माननीय सदस्यों प्रति आभारी हूँ, जिसने मुझे अनुमति प्रदान कर शोध प्रस्तुत करने के लिए अवसर प्रदान किया।

मैं अपने पूज्य गुरुवर **डॉ. चन्द्र प्रकाश दीक्षित,** रीडर, समाजशास्त्र विभाग, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर के प्रति नतमस्तक हूँ जिनके कुशल एवं विद्वत्तपूर्ण निर्देशन में मैं अपना शोधकार्य पूर्ण कर सका। आपका आशीर्वाद सदैव बना रहे यही ईश्वर से कामना करता हूँ।

मैं अपने महाविद्यालय के प्राचार्य **प्रो. अमरनाथ सिंह** के प्रति आभारी हूँ, जिनका सहयोग मुझे अपने शोधकार्य के अनन्तर प्राप्त हुआ है।

मैं अपने विभागाध्यक्ष **डॉ. अजय प्रताप सिंह** के प्रति उनके सहयोग के लिए आभार ज्ञापित करता हूँ एवं अन्य गुरुजनों **डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. गुप्तेश्वर नाथ तिवारी, डॉ. श्याम**

नारायण सिंह एवं डॉ. मोहन जी के प्रति आभारी हूँ, जिनका सहयोग मुझे सदैव प्राप्त हुआ।

मैं उन सभी कृतिकारों का आभारी हूँ जिनकी कृतियों से मैं लाभान्वित हुआ हूँ, साथ ही साथ उन सभी उत्तरदाताओं के प्रति आभार ज्ञापित करता हूँ जिन्होंने तथ्यों के संकलन में मुझे अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

मैं अपने पूज्य पिता **श्री रामकरन** एवं पूजनीय माता जी एवं अन्य पारिवारिक सदस्यों का नमन करता हूँ एवं उनके प्रति आभार ज्ञापित करता हूँ।

अन्त में, प्रस्तुत शोध–प्रबन्ध के कम्पोजिंग हेतु 'शिवम् कम्प्यूटर्स', मानस मंदिर, वाराणसी के **श्री देवेन्द्र कुमार** के प्रति आभार ज्ञापित करता हूँ।

विजय

विजय